K. Nand Kishori MTH Sem 8 (1)

Q :- Define Job analysis and main methods of Job analysis

कार्य विश्लेषण की परिभाषा दें और इसकी मुख्य विधियों का वर्णन करें।

Ans :— कार्य विश्लेषण या व्यवसाय विश्लेषण (Job analysis) को परिभाषित करने हेतु मनोवैज्ञानिकों द्वारा कार्य संबंधित तीन पक्षों को ध्यान में रखने का हर संभव प्रयास किया गया है। ये पक्ष हैं — कार्य पक्ष (Job aspect), परिवेश पक्ष (environment aspect) और कर्मचारी पक्ष (worker aspect)। कार्य विश्लेषण की मुख्य एवं प्रचलित कुछ परिभाषाएँ अग्रांकित हैं-

रीड तथा मेटकॉफ ने इसकी परिभाषा देते हुए बतलाए हैं कि — "व्यवसाय विश्लेषण का तात्पर्य किसी व्यवसाय के संबंध में उन तथ्यों के वैज्ञानिक अध्ययन तथा कथन से है जिनसे इससे संबंधित घटकों एवं परिमार्जित करने वाले कारकों का पता चलता है।" (Job analysis refers to the scientific study and statement of facts about a job which reveal its content and the modifying features which surround it. Read and Metcalf, 1956)

इसी प्रकार हैकेट (Hackett, 1929) द्वारा कार्य विश्लेषण को परिभाषित करते हुए बतलाया गया है कि "व्यवसाय या कार्य विश्लेषण का तात्पर्य किसी व्यवसाय में निहित अनिवार्य घटकों या उस व्यवसाय के सफल निष्पादन हेतु कर्मचारी की योग्यताओं के निर्धारण से है।" (Job analysis refers the determination of the essential elements in the job and the qualifications a worker should have for its successful performance)

रेबर (Reber, 1985) द्वारा कार्य विश्लेषण को और अधिक स्पष्टता प्रदान करते हुए कहा गया है कि — "व्यवसाय विश्लेषण का तात्पर्य किसी दिए गए व्यवसाय के विशिष्ट पक्षों के अध्ययन से है। इन पक्षों के अंतर्गत कार्यों तथा उनके सफल कर्तव्यों, कर्मचारी के [illegible]

गुणों की जाँच तथा नियोजन की शर्तों के अनुसार वेतन, पदोन्नति के अवसर, अवकाश आदि की गणना की जाती है। (Job analysis is a loose term for the study of the particular aspects of a given job. These aspects may range from the task and duty of the position, to an examination of the discernable qualities of an employee, to the conditions of employment including pay, promotional opportunities, vacations etc.)

उपरोक्त परिभाषाओं के अध्ययन के उपरान्त यह कहा जा सकता है कि कार्य-विश्लेषण वैज्ञानिक अध्ययन की एक कार्यविधि के साथ-साथ व्यवसाय पक्ष का अध्ययन करने का अवसर प्रदान करता है। इसके माध्यम से कार्य को सफलतापूर्वक निष्पादित करने की वांछित योग्यताओं का किया ज्ञात जाता है जिसके आधार पर किसी कार्य के लिए वेतन, पदोन्नति के अवसर, उत्तरदायित्वों, अवकाश आदि का भी निर्धारण किया जाता है।

कार्य या व्यवसाय विश्लेषण की विधियाँ (Methods of Job analysis):—

कार्य विश्लेषण या व्यवसाय विश्लेषण हेतु विभिन्न मनोवैज्ञानिकों द्वारा अलग-अलग विधियाँ बतलाई गई हैं जिनमें कुछ प्रमुख विधियाँ निम्नांकित हैं—

(1) व्यक्ति मनोलेखापीय विधि (The Individual Psychographic Method) —

इस विधि का प्रतिपादन वाइटल्स (Viteles, 1924) ने कार्य विश्लेषण की विधि के रूप में सर्वप्रथम किया था। इस विधि की मान्यता है कि किसी कार्य पर कर्मचारियों की सफलता को मनोवैज्ञानिक आवश्यकता का विश्लेषण किया जाता है। अर्थात् कर्मचारियों की मनोवैज्ञानिक विशेषताओं अथवा योग्यताओं यथा बौद्धिक योग्यता, स्मरणशक्ति, भाषा योग्यता, कल्पना, प्रतिक्रिया काल आदि के साथ-साथ संवेदी तीक्ष्णता, संवेदी विभेदी-